भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3273

21.08.2025 **को उत्तर के लिए**

'आइडियाज 4 लाइफ' पहल

3273. डा. सुमेर सिंह सोलंकी:
श्रीमती संगीता यादव:
श्री अमर पाल मौर्य:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 'आइडियाज 4 लाइफ' पहल के अंतर्गत कुल कितनी प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं और विजेताओं की सूची बनाने के लिए क्या मानदंड अपनाए गए हैं;

(ख) प्रविष्टियों में कितने शैक्षणिक संस्थानों और राज्यों ने प्रतिनिधित्व किया है और प्रतिभागियों की श्रेणियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या यह पहल "विकसित भारत @ 2047" और पर्यावरण अनुरूप जीवनशैली (लाइफ) अभियान के व्यापक राजनीतिक दृष्टिकोण के अनुरूप है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

क. 'आइडियाज4लाइफ' पहल के तहत प्राप्त प्रविष्टियों की कुल संख्या 1384 थी। इन विचारों का तीन चरणीय मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से मूल्यांकन किया गया।

- चरण-I के दौरान मूल्यांकन में विचारों की पूर्णता और मौलिकता सुनिश्चित करने के लिए विचारों की प्रारंभिक जांच शामिल थी।
- चरण-2 में, उच्च शिक्षा विभाग के पैनल में शामिल मूल्यांकनकर्ताओं ने पांच मापदंडों अर्थात् नवाचार क्षमता, व्यवहार्यता, प्रभाव, मापनीयता और संधारणीयता के आधार पर विचारों का मूल्यांकन किया।
- चरण-3 में, मंत्रालय द्वारा विधिवत गठित एक राष्ट्रीय स्तर की न्यायपीठ ने समान पांच मापदंडों अर्थात् नवाचार क्षमता, व्यवहार्यता, प्रभाव, मापनीयता और संधारणीयता के आधार पर सात विषयों में से प्रत्येक में शीर्ष 3 विचारों का चयन किया।

ख. प्रविष्टियों में 26 राज्यों और 5 संघ राज्य क्षेत्रों के 382 शैक्षणिक संस्थानों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया। प्रतिभागियों की चार श्रेणियाँ थीं: छात्र, संकाय, शोधार्थी और अन्य।

ग. 'आइडियाज4लाइफ' पहल की संकल्पना मिशन 'लाइफ' की व्यापक रूपरेखा के तहत की गई थी, जिसमें मिशन लाइफ के सभी विषयों पर छात्रों, संकाय, शोध विद्वानों, अन्य लोगों से विचार मांगे गए थे। सात विषयों में से प्रत्येक से शीर्ष 3 विचारों वाले 21 विचारों को विजेता विचारों के रूप में चुना गया।

पर्यावरणीय संधारणीयता, विकसित भारत 2047 के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। 'आइडियाज़4लाइफ़' संधारणीय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए नवाचार और कार्रवाई योग्य समाधानों के माध्यम से व्यवहारिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करता है। इस तरह की पहलों के माध्यम से युवाओं और अकार्दामक बुद्धिजीवियों को शामिल करने से वे पर्यावरणीय संधारणीयता और उससे विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सक्रिय प्रतिभागी बनते हैं।

*****